



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 534]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 30, 2005/ज्येष्ठ 9, 1927

No. 534]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 30, 2005/JYAISTHA 9, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 मई, 2005

बैंककारी नकद संव्यवहार कर नियम, 2005

का. आ. 737(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 2005 (2005 का 18) की धारा 111 की उप-धारा (2) के साथ पठित उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बैंककारी नकद संव्यवहार कर से संबंधित उक्त अधिनियम के अध्याय 7 के उपबंधों को कार्यान्वित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ ।

1.(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम बैंककारी नकद संव्यवहार कर नियम, 2005 है ।

(2) ये 1 जून, 2005 को प्रवृत्त होंगे ।

परिभाषाएं ।

2.(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से वित्त अधिनियम, 2005 (2005 का 18) अभिप्रेत है ;

(ख) “प्राधिकृत बैंक” से ऐसा कोई बैंक अभिप्रेत है जो भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 की उपधारा (1) के उपबंधों के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अपने अभिकर्ता के रूप में नियुक्त किया जाए ।

(ग) “प्ररूप” से इन नियमों के परिशिष्ट में उपवर्णित प्ररूप अभिप्रेत है ।

(2) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में या परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 या आयकर अधिनियम, 1961 या उनके अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उन अधिनियमों या नियमों या विनियमों में है ।

अनुसूचित बैंक द्वारा कराधेय बैंककारी संव्यवहारों की विशिष्टियों का रखा जाना ।

3.(1) अनुसूचित बैंक की प्रत्येक शाखा उस शाखा में किए गए कराधेय बैंककारी संव्यवहारों की विशिष्टियां प्ररूप सं. 1 में रखेगी और उसे अनुरक्षित रखेगी ।

(2) ऐसे अनुसूचित बैंक की प्रत्येक शाखा जो अपने दैनिक लेखा कंप्यूटर मीडिया पर रखते हैं, उपधारा (1) में यथानिर्दिष्ट विशिष्टियां कंप्यूटर मीडिया पर रखेगी और उसे अनुरक्षित रखेगी ।

बैंककारी नकद संव्यवहार कर का संदाय ।

4. प्रत्येक ऐसा अनुसूचित बैंक जिससे अधिनियम की धारा 97 के अधीन बैंककारी नकद संव्यवहार कर का संग्रहण और संदाय करना अपेक्षित है, अपनी सभी शाखाओं के संबंध में, ऐसे कर की रकम का केन्द्रीय सरकार के खाते में भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या किसी प्राधिकृत बैंक की किसी शाखा में बैंककारी नकद संव्यवहार कर चालान के साथ उसे प्रेषित करके, संदाय करेगा ।

अनुसूचित बैंक द्वारा एक मास के दौरान किए गए कराधेय बैंककारी संव्यवहारों की संख्या और संगृहीत किए गए बैंककारी नकद संव्यवहार कर का ब्यौरा दिया जाना ।

5. प्रत्येक अनुसूचित बैंक ऐसे कराधेय बैंककारी संव्यवहारों का, जिनकी बाबत एक मास के दौरान कर का संग्रहण करने की उससे अपेक्षा की जाती है, प्ररूप सं. 2 में बोर्ड द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट आयकर प्राधिकारी को उक्त मास के ठीक उत्तरवर्ती मास की समाप्ति पर या उसके पूर्व कंप्यूटर मीडिया पर निम्नलिखित के अनुसार विवरण देगा :-

(क) कंप्यूटर मीडिया निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होगा :-

(i) 650एमबी क्षमता या उच्चतर क्षमता की सीडी रोम ; या

(ii) 4एमएम 2जीबी/4जीबी(90एम/120एम) डीएटी कार्टिज ; या

(iii) डिजिटल वीडियो डिस्क ;

(ख) यदि अनुसूचियों से संबंधित डाटा की डाटा कंप्रेसन या बैकअप साफ्टवेयर यूटीलिटी का उपयोग करते हुए प्रति तैयार की जाती है तो उसके डिकंप्रेसन या रेस्टोरेसन के लिए तत्सूची साफवेयर यूटीलिटी या प्रक्रिया भी दी जाएगी ;

(ग) विवरणी के साथ साफ और वायरसमुक्त डाटा के संबंध में एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा ।

कराधेय बैंककारी नकद संव्यवहारों की विवरणी ।

6.(1) अधिनियम की धारा 98 की उपधारा (1) के अधीन दिए जाने के लिए अपेक्षित कराधेय बैंककारी संव्यवहारों की विवरणा प्ररूप सं. 3 में होगी और उसमें उपदर्शित रीति में सत्यापित की जाएगी ।

(2) उपधारा (1) में वर्णित प्ररूप सं. 3 की अनुसूची क और अनुसूची ख में दी जाने के लिए अपेक्षित विशिष्टियां कंप्यूटर के माध्यम से निम्नलिखित के अनुसार दी जाएंगी,-

(क) कंप्यूटर माध्यम निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होगा :-

(i) 650एमबी क्षमता या उच्चतर क्षमता की सीडी रोम ; या

(ii) 4एमएम 2जीबी/4जीबी(90एम/120एम) डीएटी कार्टिज, या

(iii) डिजिटल वीडियो डिस्क ;

(ख) यदि अनुसूचियों से संबंधित डाटा की डाटा कंप्रेसन या बैकअप साफ्टवेयर यूटीलिटी का उपयोग करते हुए प्रति तैयार की जाती है तो उसके डिकंप्रेसन या रेस्टोरेसन के लिए तत्सूची साफवेयर यूटीलिटी या प्रक्रिया भी दी जाएगी ;

(ग) विवरणी के साथ साफ और वायरसमुक्त डाटा के संबंध में एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा ।

(3) किसी वित्तीय वर्ष के दौरान किए गए कराधेय बैंककारी संव्यवहारों की विवरणी उस वित्तीय वर्ष के ठीक बाद की 31 जुलाई को या उससे पूर्व दी जाएगी ।

विवरणी पर किसके द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

7. अधिनियम की धारा 98 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी निम्नलिखित द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित की जाएगी -

(क) ऐसे अनुसूचित बैंक की दशा में, जो कंपनी है, उसके प्रबंध निदेशक या किसी निदेशक द्वारा ;

(ख) ऐसे अनुसूचित बैंक की दशा में जो कंपनी नहीं है, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा ।

कराधेय बैंककारी संव्यवहार की विवरणी की मांग करने वाली सूचना में विनिर्दिष्ट की जाने वाली समय सीमा ।

8. जहां कोई निर्धारिती अधिनियम की धारा 98 की उपधारा (1) के अधीन विवरणी नियम 6 के उपनियम (3) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर देने में असफल रहता है वहां निर्धारण अधिकारी ऐसे व्यक्ति को एक सूचना जारी कर सकेगा जिसमें ऐसे व्यक्ति से उसे लागू नियम 6 में विहित प्ररूप में विवरणी जो उसमें उपदर्शित रीति से सत्यापित की जाएगी, सूचना की तामील की तारीख से तीस दिन के भीतर देने की अपेक्षा की जाएगी ।

मांग की सूचना ।

9. जहां अधिनियम के अध्याय 7 के उपबंधों के अधीन पारित किसी आदेश के परिणामस्वरूप कोई कर, ब्याज या शास्ति संदेय है वहां निर्धारण अधिकारी निर्धारिती पर प्ररूप सं0 4 में इस प्रकार संदेय राशि को विनिर्दिष्ट करते हुए मांग की सूचना की तामील करेगा ।

उस व्यक्ति को, जिससे ऐसी रकम संगृहीत की गई थी, कर के प्रतिदाय के लिए विहित समय ।

10. प्रत्येक निर्धारिती, यदि अधिनियम की धारा 99 की उपधारा (2) के अधीन निर्धारण पर उसे कोई रकम प्रतिदाय की जाती है, तो ऐसी रकम की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर, उस संबद्ध व्यक्ति को उसका प्रतिदाय करेगा जिससे उसका संग्रहण किया गया था ।

आयुक्त (अपील) को अपील का प्ररूप ।

11.(1) आयुक्त (अपील) को धारा 107 की उपधारा (1) के अधीन अपील, प्ररूप सं0 5 में की जाएगी ।

(2) किसी निर्धारिती के संबंध में, उपनियम (1) द्वारा विहित अपील के प्ररूप, अपील के आधारों और उससे संलग्न सत्यापन के प्ररूप पर उस व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और उसके द्वारा सत्यापित किया जाएगा जो नियम 7 के अधीन कराधेय बैंककारी संव्यवहारों की विवरणी पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत है ।

अपील अधिकरण को अपील का प्ररूप ।

12. अधिनियम की धारा 108 की उपधारा (1) या उपधारा (2) के अधीन अपील अधिकरण को अपील प्ररूप सं0 6 में की जाएगी और जहां अपील निर्धारिती द्वारा की जाती है वहां अपील का प्ररूप, अपील के आधारों और उससे संलग्न सत्यापन के प्ररूप पर नियम 7 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे ।

[अधिसूचना सं. 156/2005/ फा. सं. 142/09/2005-टीपीएल]

शरत चंद्र, निदेशक (टीपीएल)

प्ररूप सं० १

[बैंककारी नकद संयवहार कर नियम, 2005 के नियम 3 का उपनियम (1) देखिए]

अनुसूचित बैंक की शाखाओं द्वारा रखे जाने वाले काराधेय बैंककारी संयवहारों की विशिष्टियां

- 1 बैंक का नाम.....
2 शाखा का पता.....
3 शाखा का बीएसआर कोड.....

[illegible]

***कराधेय बैंकिंग संस्थावहार की बाबत कोड**

संख्यवहार की प्रकृति

- क्र.सं०

कवि

क्र.स०
1. किसी अनुसूचित बैंक में किसी व्यक्ति या हिन्दू अविवक्त कुटुम्ब द्वारा रखे गए किसी खाते से (किसी बचत बैंक खाते से भिन्न) किसी एकल

01

2. किसी अनुसूचित बैंक में किसी व्यक्ति या हिन्दू अविवत्ता कुटुम्ब से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा रखे गए किसी खाते से (किसी बचत बैंक खाते

02

3. किसी अनुरूपित बैंक से किसी एकल दिवस को एक या अधिक आवधिक निक्षेप को परिपक्वता पर या अन्यथा नकदांकरण के संबंध में पच्चीस हजार रुपए से अधिक नकद प्राप्त करना यदि ऐसे आवधिक निक्षेप या निक्षेपों को किसी व्यक्ति या हिन्दू अतिभक्त कुटुम्ब के नाम में रखा जाता है।

03

4. किसी अनुसूचित बैंक से किसी एकल दिवस को एक या अधिक आवधिक निक्षेप की परिपक्वता पर या अन्यथा नकदीकरण के संबंध में एक लाख रुपए से अधिक नकद प्राप्त करना यदि ऐसे आवधिक निक्षेप या निक्षेपों को किसी व्यक्ति या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब से भिन्न किसी व्यक्ति के नाम में रखा जाता है।

04

दिए गए ::

- टिप्पण :
1. कोड 01 और कोड 02 सहित संयवहारों की बाबत व्यक्ति का नाम और अभिलिखित करना आवश्यक नहीं है और कोड 03 और कोड 04 सहित संयवहार की बाबत स्तंभ 2 में प्रविष्टि शून्य होगी ।

टिप्पण :

1. किसी एकल दिन को उसी व्यक्ति के नाम में आवधिक निक्षेप या निक्षेपों के नकदीकरण पर किसी खाते से नकद से निकालने या नकद की प्राप्ति के बहुसंख्यवहारे को एक ही संख्यवहार माना जाएगा ।
2. किसी शाखा के संबंध में स्तंभ 5, 6, 7, 8, 9 और 10 का योग शाखा द्वारा रखे गए प्ररूप सं० 1(बीसीटीटी-1) के स्तंभ 4 में मास के दौरान किए गए संख्यवहारे की संख्या का योग होगा ।
3. किसी शाखा के संबंध में स्तंभ 11 में प्रविष्टि, शाखा द्वारा रखे गए प्ररूप सं० 1 (बीसीटीटी-1) के स्तंभ 6 का मासिक योग होगा ।
4. किसी शाखा के संबंध में स्तंभ 12 में प्रविष्टि, शाखा द्वारा रखे गए प्ररूप सं० 1 (बीसीटीटी-1) के स्तंभ 6 का मासिक योग होगा ।
5. बैंक की सभी शाखाओं के लिए समेकित सूचना इलेक्ट्रॉनिक फॉर्मेट में प्रस्तुत की जाएगी ।
6. विनिर्दिष्ट डाटा संरचना के अनुसार कंप्यूटर मीडिया तैयार किया जाएगा ।
7. कंप्यूटर मीडिया पर बैंक का नाम, उसका स्थायी खाता संख्या और मास/वर्ष देते हुए लेबल लगाया जाना चाहिए और नियम 7 में विनिर्दिष्ट व्यक्ति द्वारा, मास में संदत्त कुल बैंककारी नकद संख्यवहार की रकम की पुष्टि करते हुए और यह प्रमाणित करते हुए कि डाटा स्वच्छ और वाइरस मुक्त है, सत्यापित एक पत्र के साथ इस संबंध में बोर्ड द्वारा प्राधिकृत आय-कर अधिकारी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए ।

बीसीटीटीएस-3

केवल स्पष्ट अक्षरों में लिखें ।

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]

--	--	--	--

-

--	--

--	--	--	--	--	--	--	--

मूल्य (रु० में)

[illegible][illegible]

[illegible][illegible][illegible]

रकम (रु० में)

[illegible][illegible][illegible][illegible][illegible][illegible][illegible][illegible][illegible]

मैं ----- (स्पष्ट क्षरों में पूरा नाम), ----- का पुत्र / पुत्री सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ / करती हूँ कि इस विवरणी और इसके साथ लगी अनुसूचियों में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही और पूर्ण है और यह कि कराधेय

बैंककारी संव्यवहारों का कुल मूल्य और उसमें दर्शित की गई अन्य विशिष्टियां सत्यता से कथित की गई हैं तथा वित्त अधिनियम 2005 के अध्याय 7 के उपबन्धों और बैंककारी नकद संव्यवहार कर नियम 2005 के अनुसार हैं।

मैं और घोषणा करता हूं कि मैं —————की हैसियत में इस विवरणी को दे रहा हूं और मैं इस विवरणी को देने के लिए और इसे सत्यापित करने के लिए भी सक्षम हूं।

तारीख ———

स्थान ———

(नाम और हस्ताक्षर)

क्रम सं०	कराधेय बैंककारी संव्यवहार की बाबत कोड * संव्यवहार की प्रकृति	कोड
1.	किसी अनुसूचित बैंक में किसी व्यक्ति या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब द्वारा रखे गए किसी खाते से (किसी बचत बैंक खाते से भिन्न) किसी एकल दिवस को पच्चीस हजार रुपए से अधिक के नकद (किसी भी रीति से) का निकाला जाना।	01
2.	किसी अनुसूचित बैंक में किसी व्यक्ति या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब से भिन्न किसी व्यक्ति द्वारा रखे गए किसी खाते से (किसी बचत बैंक खाते से भिन्न) किसी एकल दिवस को एक लाख रुपए से अधिक के नकद (किसी भी रीति से) का निकाला जाना।	02
3.	किसी अनुसूचित बैंक से किसी एकल दिवस को एक या अधिक आवधिक निक्षेप की परिपक्वता पर या अन्यथा नकदीकरण के संबंध में पच्चीस हजार रुपए से अधिक नकद प्राप्त करना यदि ऐसे आवधिक निक्षेप या निक्षेपों को किसी व्यक्ति या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब के नाम में रखा जाता है।	03
4.	किसी अनुसूचित बैंक से किसी एकल दिवस को एक या अधिक आवधिक निक्षेप की परिपक्वता पर या अन्यथा नकदीकरण के संबंध में एक लाख रुपए से अधिक नकद प्राप्त करना यदि ऐसे आवधिक निक्षेप या निक्षेपों को किसी व्यक्ति या हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब से भिन्न किसी व्यक्ति के नाम में रखा जाता है।	04

1645 GI/05-3

अनुसूची ख

1. बैंक का नाम —

2. बैंक का पता —

3. बैंक का स्थायी खाता सं० —

4. वित्तीय वर्ष —

मास	कराधेय बैंककारी संव्यवहार कोड	मास के दौरान कराधेय बैंककारी संव्यवहारों का मूल्य	संग्रहणीय बैंककारी नकद संव्यवहार कर (रुपयों में)	संग्रहीत बैंककारी नकद संव्यवहार कर (रुपयों में)	संदत्त बैंककारी नकद संव्यवहार कर (रुपयों में)	धारा 101 के अधीन संदेय ब्याज (रुपयों में)	धारा 101 के अधीन संदत्त ब्याज (रुपयों में)	धारा 101 के अधीन बैंककारी नकद संव्यवहार कर / ब्याज की विविधियां					
								कर / ब्याज (रुपयों में)	बैंक शाखा का नाम	बैंक शाखा का बीएसआर कोड	नक्षेप की तारीख	चालान का क्रम सं०	रकम (रुपयों में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
	योग											योग	

- टिप्पण - 1. अनुसूची क और अनुसूची ख में अपेक्षित ब्योरे नियम 6 में विनिर्दिष्ट के अनुसार कंप्यूटर मीडिया पर प्रस्तुत किए जाएं ।
2. अनुसूची क में, प्रत्येक शाखा में किए गए कराधेय बैंककारी संव्यवहारों के मूल्यों के वार्षिक ब्योरे और उस पर संदेय बैंककारी नकद संव्यवहार कर दिया जाए।
3. अनुसूची ख में अपेक्षित ब्योरे प्रत्येक मास के लिए प्रत्येक संव्यवहार के प्रकार के लिए पृथक् रूप से दिए जाएं (कोड 01 से 04)
4. किसी मास के संबंध में अनुसूची ख के स्तंभ 3 में प्रविष्टि शाखाओं द्वारा रखे गए प्ररूप सं० 1 (बीसीटीएस-1) के स्तंभ 5 की प्रविष्टियों के मासिक योग होंगे ।
5. किसी मास के संबंध में अनुसूची ख के स्तंभ 5 में शाखाओं द्वारा रखे गए प्रविष्टि प्ररूप सं० 1 (बीसीटीएस-1) के स्तंभ 6 की प्रविष्टियों के मासिक योग होंगे।

प्ररूप सं० 4

(बैंककारी नकद संव्यवहार कर नियम 2005 का नियम 9 देखें)

मांग की सूचना

बीसीटीटीएस-4

सेवा में

प्रास्थिति _____

स्थायी लेखा सं० _____

1. आपको सूचना दी जाती है कि वित्तीय वर्ष _____के लिए _____रु० की रकम जिसके ब्योरे पीछे दिए गए हैं, आपके द्वारा संदाय किए जाने का अवधारण किया गया है।
2. रकम का संदाय इस सूचना की तामील के तीस दिन के भीतर प्रबन्धक, प्राधिकृत बैंक भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक पर किया जाना चाहिए संदाय के प्रयोजन के लिए एक चालान संलग्न है।
3. यदि आप ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर रकम का संदाय नहीं करते हैं तो आप उपर्युक्त अवधि की समाप्ति पर प्रत्येक मास या किसी मास के किसी भाग के लिए एक प्रतिशत साधारण ब्याज का संदाय करने के लिए वित्त अधिनियम 2005 की धारा 106 के साथ पठित आय-कर अधिनियम की धारा 220 की उपधारा 2 के अनुसार दायी होंगे।
4. यदि आप ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर कर की रकम का संदाय नहीं करते हैं तो आपको वित्त अधिनियम, 2005 की धारा 106 के साथ पठित आय-कर अधिनियम की धारा 221 के अनुसार सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर दिए जाने के पश्चात् शास्ति (जो कर की बकाया रकम के बराबर हो सकेगी) अधिरोपित की जा सकेगी।
5. यदि आप ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर रकम का संदाय नहीं करते हैं तो उसकी वसूली के लिए कार्यवाही वित्त अधिनियम, 2005 की धारा 106 के साथ पठित आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 222 से धारा 227, धारा 229 और धारा 232 के अनुसार की जाएगी।
6. यदि आप निर्धारण या शास्ति के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं तो वित्त अधिनियम, 2005 के अध्याय 7 की धारा 107 के अधीन कोई अपील इस सूचना की प्राप्ति से तीस दिन के भीतर नियम 11 में यथाविहित प्ररूप सं० 5 में, उस प्ररूप में यथा अधिकथित सम्यक् स्टाम्प लगाकर और सत्यापित करके आय-कर आयुक्त (अपील) को प्रस्तुत कर सकेंगे।
7. वित्त अधिनियम, 2005 के अध्याय 7 की धारा 107 के अधीन आय-कर आयुक्त (अपील) के आदेश के परिणामस्वरूप रकम शोध्द हो गई है। यदि आप पूर्वोक्त आदेश के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं तो आप उक्त अधिनियम के अध्याय 7 की धारा 108 के अधीन कोई अपील उस आदेश

की प्राप्ति के साठ दिन के भीतर नियम 12 में यथा विहित प्ररूप सं0 6 में, उस प्ररूप में यथा अधिकथित सम्यक् स्टाम्प लगाकर और सत्यापित करके आय-कर अपील अधिकरण को प्रस्तुत कर सकेंगे।

स्थान -----

निर्धारण अधिकारी

पता -----

तारीख -----

टिप्पण -

1. अनुपयुक्त पैराओं और शब्दों को काट दें।
2. यदि आप चैक द्वारा रकम का संदाय करना चाहते हैं तो चैक प्रबन्धक, प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक के पक्ष में देय होना चाहिए।
3. यदि आप रकम के संदाय की समय अवधि बढ़ाना चाहते हैं या किस्तों में संदाय करना चाहते हैं तो यथास्थिति, ऐसे समय विस्तार के लिए या किस्तों में संदाय की अनुज्ञा के लिए आवेदन पैरा 2 में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व निर्धारण अधिकारी को किया जाना चाहिए। उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् किसी अनुरोध के प्राप्त होने पर किसी अनुरोध पर अधिनियम की धारा 220 की उपधारा 3 के विनिर्दिष्ट उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए विचार नहीं किया जाएगा।

प्ररूप सं0 5

[बैंककारी नक़द संव्यवहार कर नियम, 2005 का नियम 11 का उपनियम (I) देखिए]

आयकर आयुक्त (अपील) को अपील

आयुक्त (अपील) का पदनाम

बीसीटीटीएस 5

वर्ष 20 20.....का संख्यांक*

1.	अपीलार्थी का नाम और पता	
2.	स्थायी खाता संख्यांक	
3.	वह वित्तीय वर्ष जिसके संबंध में अपील की गई हो	
4.	उस आदेश पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी जिसके विरुद्ध अपील की गई है	
5.	वित्त अधिनियम, 2005 के अध्याय 7 की वह धारा और उपधारा जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने ऐसा आदेश पारित किया हो जिसके विरुद्ध अपील की गई है और ऐसे आदेश की तारीख	
6.	जहाँ अपील किसी निर्धारण या शास्ति से संबंधित है, सुसंगत मांग सूचना की तामील की तारीख।	
7.	किसी अन्य मामले में, उस आदेश की सूचना की तामील की तारीख, जिसके विरुद्ध अपील की गई है।	

1645 GI/05-4

8.	वित्त अधिनियम, 2005 के अध्याय 7 की वह धारा और उपधारा, जिसके अधीन अपील की गई है।	
9.	जहाँ, अपीलार्थी द्वारा ऐसे वित्तीय वर्ष के लिए, जिसके संबंध में, अपील की गई है, विवरणी फाइल की गई है, वहाँ क्या ऐसे कराधेय बैंककारी संव्यवहारों के जिनके संबंध में विवरणी दी गई है, मूल्य पर शोध्य करें का पूर्ण रूप से संदाय कर दिया गया है (यदि, उत्तर हां में है, तो संदाय की तारीख और संदत्त राशि के ब्योरे दें)	
10.	अपलील में दावा किया गया अनुतोष	
11.	<p>**जहां अपीलार्थी की दशा में किसी अन्य वित्तीय वर्ष के संबंध में कोई अपील किसी आयुक्त (अपील) के पास लंबित है, वहां निम्नलिखित के संबंध में ब्योरे दें --</p> <p>(क) वह आयुक्त (अपील), जिसके पास अपील लंबित है ;</p> <p>(ख) वह वित्तीय वर्ष जिसके संबंध में अपील की गई है ;</p> <p>(ग) उस आदेश को पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी, जिसके विरुद्ध अपील की गई है ;</p> <p>(घ) वित्त अधिनियम, 2005 के अध्याय 7 की वह धारा और उपधारा जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने ऐसा आदेश पारित किया, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, और ऐसे आदेश की तारीख ।</p>	
12.	वह पता जिसपर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी	

.....
हस्ताक्षर
(अपीलार्थी)

तथ्यों का कथन
अपील का आधार

.....
हस्ताक्षर
(अपीलार्थी)

सत्यापन का प्ररूप

मैं, अपीलार्थी, यह घोषणा करता हूं कि ऊपर किए गए कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य हैं ।

स्थान हस्ताक्षर
तारीख (अपीलार्थी की प्रास्थिति)

टिप्पण :

1. अपील का प्ररूप, अपील के आधार और उससे संलग्न सत्यापन का प्ररूप किसी व्यक्ति द्वारा बैंककारी नकद संव्यवहार कर नियम, 2005 के नियम 7 के उपबंधों के अनुसार हस्ताक्षरित किए जाएंगे ।
2. अपील का ज्ञापन, तथ्यों का कथन और अपील के आधार दो प्रतियों में होने चाहिए और साथ ऐसे आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, एक प्रति तथा मांग की सूचना, यदि कोई हो, की मूल प्रति संलग्न की जानी चाहिए ।
3. अनुपयुक्त शब्दों को काट दें ।
4. *ये विशिष्टियां आयुक्त (अपील) के कार्यालय में फाइल की जाएंगी ।
5. यदि इसमें दिया गया स्थान अपर्याप्त है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक संलग्नों का उपयोग किया जा सकेगा ।
6. **यदि एक से अधिक वित्तीय वर्षों के संबंध में अपीलें लंबित हैं तो प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संबंध में पृथक विशिष्टियां दी जाएं ।
7. अपील के ज्ञापन के साथ एक हजार रूपए की फीस लगी होगी ।
8. यह फीस निर्धारण अधिकारी से चालान प्राप्त किए जाने के पश्चात् किसी प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिज़र्व बैंक की शाखा में जमा की जानी चाहिए ।

प्ररूप सं. 6

[बैंककारी संव्यवहार कर नियम, 2005 का नियम 12 देखें]

अपील अधिकरण को अपील का प्ररूप

बीसीटीटीएस-5

आय कर अपील अधिकरण.....के समक्ष

वर्ष 20.....20.....का *अपील संख्यांक.....

अपीलार्थी

बनाम

प्रत्यर्थी

1.	वह राज्य जिसमें निर्धारण किया गया था	
2.	वित्त अधिनियम, 2005 के अध्याय 7 की वह धारा जिसके अधीन ऐसा आदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पारित किया गया था	

3	उस आदेश को पारित करने वाला आयुक्त (अपील), जिसके विरुद्ध अपील की गई है	
4	वह वित्तीय वर्ष जिसके संबंध में अपील की गई है	
5	निर्धारित द्वारा मद 4 में निर्दिष्ट वित्तीय वर्ष के लिए संगणित कराधेय बैंककारी संव्यवहारों का घोषित किया गया कुल मूल्य	
6	निर्धारण अधिकारी द्वारा मद 4 में निर्दिष्ट वित्तीय वर्ष के लिए यथा संगणित कराधेय बैंककारी संव्यवहारों का कुल मूल्य	
7	मूल आदेश को पारित करने वाला निर्धारण अधिकारी	
8	वित्त अधिनियम, 2005 के अध्याय 7 की वह धारा और जिसके अधीन निर्धारण अधिकारी ने आदेश पारित किया	
9	उस आदेश की संसूचना की तारीख, जिसके विरुद्ध अपील की गई है	
10	वह पता जिसपर अपीलार्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी	
11	वह पता जिसपर प्रत्यर्थी को सूचनाएं भेजी जा सकेंगी	
12	अपील में दावा किया गया अनुतोष	

अपील का आधार

1

2

3

4 आदि

हस्ताक्षर

(प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हों)

हस्ताक्षर

(अपीलार्थी)

सत्यापन

मैं.....अपीलार्थी, यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर किए गए कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य हैं।

स्थान :

तारीख :

हस्ताक्षर

टिप्पण:

1. अपील का ज्ञापन तीन प्रतियों में होना चाहिए और उसके साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, दो प्रतियां (जिनमें से कम से कम एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए), निर्धारण अधिकारी के सुसंगत आदेश की दो प्रतियां, प्रथम अपील प्राधिकारी के समक्ष अपील के आधारों की दो प्रतियां, उक्त अपील प्राधिकारी के समक्ष फाइल किए गये तथ्यों के कथन की, यदि कोई हों, दो प्रतियां लगी होनी चाहिए ।
2. वित्त अधिनियम, 2005 के अध्याय 7 की धारा 108 की उपधारा (1) के अधीन किसी निर्धारिती द्वारा किए जाने वाले अपील के ज्ञापन के साथ एक हजार रुपए की फीस लगी होनी चाहिए । यह सुझाव दिया जाता है कि यह फीस किसी प्राधिकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या भारतीय रिजर्व बैंक की शाखा में जमा की जानी चाहिए । अपील अधिकरण चेंकों, ड्राफ्टों, हुंडियों या अन्य परक्राम्य लिखतों को स्वीकार नहीं करेगा ।
3. अपील का ज्ञापन अंग्रेजी में लिखा जाना चाहिए या यदि अपील किसी ऐसे राज्य में अवस्थित किसी न्यायपीठ में फाइल की जाती है, जिसे अपील अधिकरण के अध्यक्ष द्वारा आयकर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम 5क के प्रयोजनों के लिए तत्समय अधिसूचित किया गया है, तब अपीलार्थी के विकल्प पर हिंदी में लिखी जानी चाहिए तथा उसमें बिना किसी तर्क या वर्णन के संक्षिप्त रूप से तथा सुभिन्न शीर्षों के अधीन अपील के आधारों का वर्णन किया जाना चाहिए और ऐसे आधारों को क्रमानुसार संख्यांकित किया जाना चाहिए ।
4. * अपील का संख्यांक और वर्ष अपील अधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा ।
5. ऐसे स्तम्भों को काट दें, जो लागू नहीं हों ।
6. यदि इसमें दिया गया अपर्याप्त है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक संलग्नकों का उपयोग किया जा सकेगा ।

1645 4I/05-5

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 30th May, 2005

Banking Cash Transaction Tax Rules, 2005

S.O. 737(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 111 of the Finance Act, 2005 (18 of 2005), the Central Government hereby makes the following rules for carrying out the provisions of Chapter VII of the said Act relating to banking cash transaction tax, namely:-

Short title and commencement.

1. (1) These rules may be called the Banking Cash Transaction Tax Rules, 2005.
- (2) They shall come into force on the 1st day of June, 2005.

Definitions.

2. (1) In these rules, unless the context otherwise requires,-
 - (a) "Act" means the Finance Act, 2005 (18 of 2005);
 - (b) "authorised bank" means any bank as may be appointed by the Reserve Bank of India as its agent under the provisions of sub-section (1) of section 45 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
 - (c) "Form" means a Form set out in the Appendix to these rules.

(2) Words and expressions used and not defined in these rules but defined in the Act, the Negotiable Instruments Act, 1881, the Reserve Bank of India Act, 1934, the Banking Regulation Act, 1949, the Income-tax Act, 1961, or the rules or regulations made thereunder shall have the meanings respectively assigned to them in those Acts or the rules or the regulations.

Maintenance of particulars of taxable banking transactions by the scheduled bank.

3. (1) Every branch of a scheduled bank shall keep and maintain in Form No. 1 the particulars of taxable banking transactions entered into in that branch.

(2) Every branch of a scheduled bank which is maintaining its daily account on a computer media, shall keep and maintain the particulars as referred to in sub-rule (1), on a computer media.

Payment of banking cash transaction tax.

4. Every scheduled bank which is required to collect and pay banking cash transaction tax under section 97 of the Act, shall, in respect of all its branches, pay the amount of such tax to the credit of the Central Government by remitting it into any branch of the Reserve Bank of India or of the State Bank of India or of any authorised bank accompanied by a banking cash transaction tax challan.

Furnishing of statement by a scheduled bank of number of taxable banking transactions entered into and banking cash transaction tax collected during a month.

5. Every scheduled bank shall furnish a statement of taxable banking transactions in respect of which it is required to collect tax during a month, in Form No. 2 to the income tax authority specified in this behalf by the Board on or before the expiry of the month immediately following the said month on a computer media, in accordance with the following,-

- (a) the computer media conforms to the following specifications:-
 - i) CD ROM of 650 MB capacity or higher capacity; or
 - ii) 4mm 2GB/ 4GB (90M/ 120M) DAT Cartridge; or
 - iii) Digital Video Disc;
- (b) if the data relating to the schedules is copied using data compression or backup software utility, the corresponding software utility or procedure for its decompression or restoration shall also be furnished;
- (c) the statement shall be accompanied by a certificate regarding clean and virus free data.

Return of taxable banking cash transactions.

6. (1) The return of taxable banking transactions required to be furnished under sub-section (1) of section 98 of the Act shall be in Form No. 3 and be verified in the manner indicated therein.

(2) The particulars required to be furnished in the Schedules A and B to Form No. 3 referred to in sub-rule (1) shall be furnished on a computer media, in accordance with the following, -

(a) the computer media conforms to the following specifications:-

- i) CD ROM of 650 MB capacity or higher capacity; or
- ii) 4mm 2GB/ 4GB (90M/ 120M) DAT Cartridge; or
- iii) Digital Video Disc;

(b) if the data relating to the schedules is copied using data compression or backup software utility, the corresponding software utility or procedure for its decompression or restoration shall also be furnished;

(c) the return shall be accompanied by a certificate regarding clean and virus free data.

(3) The return of taxable banking transactions entered into during a financial year shall be furnished on or before the 31st July immediately following that financial year.

Return by whom to be signed.

7. The return under sub-section (1) of section 98 of the Act shall be signed and verified -

- (a) in the case of a scheduled bank, being a company, by the managing director or a director thereof;
- (h) in the case of a scheduled bank, not being a company, by the principal officer thereof.

Time limit to be specified in the notice calling for return of taxable banking transaction.

8. Where an assessee fails to furnish the return under sub-section (1) of section 98 of the Act within the time specified in sub-rule (3) of rule 6, the Assessing Officer may issue a notice to such

person requiring him to furnish, within thirty days from the date of service of the notice, a return in the Form prescribed in rule 6 and verified in the manner indicated therein.

Notice of demand.

9. Where any tax, interest or penalty is payable in consequence of any order passed under the provisions of Chapter VII of the Act, the Assessing Officer shall serve upon the assessee a notice of demand in Form No. 4 specifying the sum so payable.

Prescribed time for refund of tax to the person from whom such amount was collected.

10. Every assessee, in case any amount is refunded to it on assessment under sub-section (2) of section 99 of the Act, shall, within thirty days from the date of receipt of such amount, refund the same to the concerned person from whom it was collected.

Form of appeal to Commissioner of Income-tax (Appeals).

11. (1) An appeal under sub-section (1) of section 107 to the Commissioner (Appeals) shall be made in Form No. 5.

(2) The form of appeal prescribed by sub-rule (1), the grounds of appeal and the form of verification appended thereto relating to an assessee shall be signed and verified by the person who is authorised to sign the return of taxable banking transactions under rule 7.

Form of appeal to Appellate Tribunal.

12. An appeal under sub-section (1) or sub-section (2) of section 108 of the Act to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. 6, and where the appeal is made by the assessee, the form of appeal, the grounds of appeal and the form of verification appended thereto shall be signed by the person specified in rule 7.

[Notification No. 156/2005/F. No. 142/09/2005-TPL]

SHARAT CHANDRA, Director (TPL)

164562/05-6

BCTS-1

[See sub-rule (1) of rule 3 of Banking Cash Transaction Tax Rules, 2005]

PARTICULARS OF TAXABLE BANKING TRANSACTIONS TO BE MAINTAINED BY THE BRANCHES OF SCHEDULED BANK

1. Name of the Bank		2. Address of the Branch		3. BSR Code of the Branch			
Date	Account No.	Name & Address of the person	Taxable banking transaction code*	Value of taxable banking transaction	BCTT (banking cash transaction collected)	Number of transactions not liable to BCTT entered during the day	Value of transactions not liable to BCTT entered during the day
1	2	3	4	5	6	7	8
			Total				

*CODES IN RESPECT OF TAXABLE BANKING TRANSACTION.

S.NO.	NATURE OF TRANSACTION	CODE
1.	Withdrawal of cash (by whatever mode) exceeding twenty-five thousand rupees on any single day from an account (other than a savings bank account) maintained by any individual or Hindu undivided family with any scheduled bank.	01
2.	Withdrawal of cash (by whatever mode) exceeding one lakh rupees on any single day from an account (other than a savings bank account) maintained by a person other than any individual or Hindu undivided family with any scheduled bank.	02
3.	Receipt of cash exceeding twenty-five thousand rupees from any scheduled bank on any single day on encashment of one or more term deposits, whether on maturity or otherwise, in case such term deposit or deposits are in the name of any individual or Hindu undivided family	03
4.	Receipt of cash exceeding one lakh rupees from any scheduled bank on any single day on encashment of one or more term deposits, whether on maturity or otherwise, in case such term deposit or deposits are in the name of a person other than any individual or Hindu undivided family	04

Notes:

1. In respect of transactions with code 01& 02, name and address of person need not to be recorded and in respect of transactions with code 03& 04, entry in column 2 shall be null.
2. Multi-transactions of withdrawal of cash from an account or receipt of cash on encashment of term deposit or deposits in the name of same person, on any single day be treated as one transaction.
3. In columns 7, fill the number of transactions entered during the day, which are of the nature specified in codes 01, 02, 03 and 04 respectively but whose value do not exceed Rs. 25,000/ Rs. 1,00,000.
4. In column 8, please fill the daily aggregate of the value of transactions mentioned in column 7.
5. Monthly total of column 5, 6, 7 and 8 be also drawn.

8. TOTAL BANKING CASH TRANSACTION TAX COLLECTED B(5)	(Schedule)	
9. TOTAL BANKING CASH TRANSACTION TAX PAID (B(6))		
10. BANKING CASH TRANSACTION TAX PAYABLE/ REFUNDABLE (7-9)		
11. INTEREST PAYABLE UNDER SECTION 101 (B(7))		
12. INTEREST PAID (B(8))		

VERIFICATION

I, _____ (full name in block letters), son/ daughter of _____ solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and schedules accompanying it is correct and complete and that the total value of taxable banking transactions and other particulars shown therein are truly stated and are in accordance with provisions of Chapter VII of the Finance Act, 2005 and Banking Cash Transaction Tax Rules, 2005. I further declare that I am making this return in my capacity as _____ and I am also competent to make this return and verify it.

Date _____

Place _____

(Name and Signature)

***CODES IN RESPECT OF TAXABLE BANKING TRANSACTION**

S.NO	NATURE OF TRANSACTION	CODE
1.	Withdrawal of cash (by whatever mode) exceeding twenty-five thousand rupees on any single day from an account(other than a savings bank account) maintained by any individual or Hindu undivided family with any scheduled bank.	01
2.	Withdrawal of cash (by whatever mode) exceeding one lakh rupees on any single day from an account(other than a savings bank account) maintained by a person other than any individual or Hindu undivided family with any scheduled bank.	02
3.	Receipt of cash exceeding twenty-five thousand rupees from any scheduled bank on any single day on encashment of one or more term deposits, whether on maturity or otherwise, in case such term deposit or deposits are in the name of any individual or Hindu undivided family	03
4.	Receipt of cash exceeding one lakh rupees from any scheduled bank on any single day on encashment of one or more term deposits, whether on maturity or otherwise, in case such term deposit or deposits are in the name of a person other than any individual or Hindu undivided family	04

1645 GI/05-7

SCHEDULE - B

FORM NO. 4

[See rule 9 of Banking Cash Transaction Tax Rules, 2005]

Notice of demand

BCTTS - 4

To

Status.....
PAN.....

1. This is to give you notice that for the financial year a sum of Rs., details of which are given on the reverse, has been determined to be payable by you.
2. The amount should be paid to the Manager, authorised bank or State Bank of India or Reserve Bank of India at within 30 days of the service of this notice. The previous approval of the Additional/ Joint Commissioner of Income-tax has been obtained for allowing a period of less than 30 days for the payment of the above sum. A challan is enclosed for the purpose of payment.
3. If you do not pay the amount within the period specified above, you shall be liable to pay simple interest at one per cent for every month or part of a month from the date commencing after the end of the period aforesaid in accordance with sub-section (2) of section 220 of the Income-tax Act read with section 106 of the Finance Act, 2005.
4. If you do not pay the amount of the tax within the period specified above, penalty (which may be as much as the amount of tax in arrear) may be imposed upon you after giving you a reasonable opportunity of being heard in accordance with section 221 of the Income-tax Act read with section 106 of the Finance Act, 2005.
5. If you do not pay the amount within the period specified above, proceedings for the recovery thereof will be taken in accordance with sections 222 to 227, 229 and 232 of the Income-tax Act, 1961 read with section 106 of the Finance Act, 2005.
6. If you intend to appeal against the assessment or penalty, you may present an appeal under section 107 of Chapter VII of the Finance Act, 2005, to the Commissioner of Income-tax (Appeals) within thirty days of the receipt of this notice, in Form No. 5 as prescribed in rule 11, duly stamped and verified as laid down in that form.
7. The amount has become due as a result of the order of the Commissioner of Income-tax (Appeals) under section 107 of the Chapter VII of the Finance Act, 2005. If you intend to appeal against the aforesaid order, you may present an appeal under section 108 of Chapter VII of the said Act to the Income-tax Appellate Tribunal within sixty days of the receipt of that order, in Form No. 6, as prescribed in rule 12, duly stamped and verified as laid down in that form.

Place

Date.....

Assessing Officer

Address

Notes:

1. Delete inappropriate paragraphs and words.
2. If you wish to pay the amount by cheque, the cheque should be drawn in favour of the Manager, authorised bank or State Bank of India or Reserve Bank of India.
3. If you intend to seek extension of time for payment of the amount or propose to make the payment by instalments, the application for such extension or as the case may be, permission to pay by instalments, should be made to the Assessing Officer before the expiry of the period specified in paragraph 2. Any request received after the expiry of the said period will not be entertained in view of the specific provisions of sub-section (3) of section 220 of the Income-tax Act.

1645 GI/05-8

FORM NO. 5

[See sub-rule (1) of rule 11 of Banking Cash Transaction Tax Rules, 2005]

Appeal to the Commissioner of Income-tax (Appeals)

Designation of the Commissioner (Appeals)

BCTTS - 5

*No.....of20.....20.....

1. Name and address of the appellant
2. Permanent Account Number
3. Financial year in connection with which the appeal is preferred
4. Assessing Officer passing the order appealed against
5. Section and sub-section of the Chapter VII of the Finance Act, 2005, under which the Assessing Officer passed the order appealed against and the date of such order
6. Where the appeal relates to any assessment or penalty, the date of service of the relevant notice of demand
7. In any other case, the date of service of the intimation of the order appealed against
8. Section and sub-section of the Chapter VII of the Finance Act, 2005, under which the appeal is preferred
9. Where a return has been filed by the appellant for the financial year in connection with which the appeal is preferred, whether tax due on the value of taxable banking transaction returned has been paid in full (if the answer is in the affirmative, give details of date of payment and amount paid)
10. Relief claimed in appeal
11. **Where an appeal in relation to any other financial year is pending in the case of the appellant with any Commissioner (Appeals), give the details as to the -
 - (a) Commissioner (Appeals), with whom the appeal is pending;
 - (b) financial year in connection with which the appeal has been preferred;
 - (c) Assessing Officer passing the order appealed against;
 - (d) section and sub-section of the Chapter VII of the Finance Act, 2005 under which the Assessing Officer passed the order appealed against and the date of such order.
12. Address to which notices may be sent to the appellant

.....
Signed
(Appellant)

STATEMENT OF FACTS
GROUNDS OF APPEAL

.....
Signed
(Appellant)

Form of Verification

I,, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Place

Date

.....
Signature.....
Status of appellant**Notes:**

1. The form of appeal, grounds of appeal and the form of verification appended thereto shall be signed by a person in accordance with the provisions of rule 7 of Banking Cash Transaction Tax Rules, 2005.
2. The memorandum of appeal, statement of facts and the grounds of appeal must be in duplicate and should be accompanied by a copy of the order appealed against and the notice of demand in original, if any.
3. Delete the inappropriate words.
4. *These particulars will be filled in in the office of the Commissioner (Appeals).
5. If the space provided herein is insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.
6. **If appeals are pending in relation to more than one financial year, separate particulars in respect of each financial year may be given.
7. The memorandum of appeal shall be accompanied by a fee of one thousand rupees.
8. The fee should be credited in a branch of the authorised bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India after obtaining a challan from the Assessing Officer.

FORM NO. 6

[See rule 12 of Banking Cash Transaction Tax Rules, 2005]
Form of appeal to the Appellate Tribunal

BCTTS - 6

In the Income-tax Appellate Tribunal

*Appeal No. of 20..... 20.....

APPELLANT

Versus

RESPONDENT

1. The State in which the assessment was made
2. Section of the Chapter VII of the Finance Act, 2005 under which the order appealed against was passed
3. The Commissioner (Appeals) passing the order appealed against
4. Financial year in connection with which the appeal is preferred
5. Total value of taxable banking transactions declared by the assessee for the financial year referred to in item 4
6. Total value of taxable banking transactions as computed by the Assessing Officer for the financial year referred to in item 4
7. The Assessing Officer passing the original order
8. Section of the Chapter VII of Finance Act, 2005 under which the Assessing Officer passed the order
9. Date of communication of the order appealed against
10. Address to which notices may be sent to the appellant
11. Address to which notices may be sent to the respondent
12. Relief claimed in appeal

GROUNDS OF APPEAL

1.
2.
3.
4. etc.

Signed
(Authorised representative, if any)Signed
(Appellant)

Verification

I,, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Place

Date

Signed

Notes:

1. The memorandum of appeal must be in triplicate and should be accompanied by two copies (at least one of which should be a certified copy) of the order appealed against, two copies of the relevant order of the Assessing Officer, two copies of the grounds of appeal before the first appellate authority, two copies of the statement of facts, if any, filed before the said appellate authority.
2. The memorandum of appeal by an assessee under sub-section (1) of section 108 of the Chapter VII of Finance Act, 2005 must be accompanied by a fee of one thousand rupees.
It is suggested that the fee should be credited in a branch of the authorised bank or a branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India. The Appellate Tribunal will not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.

3. The memorandum of appeal should be written in English or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively.
4. *The number and year of appeal will be filed in the office of the Appellate Tribunal.
5. Delete the inapplicable columns.
6. If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.